रायगढ़ (मध्य प्रदेश) में नवोदय विद्यालय के भवन का निर्माण

395. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जिला रायगढ़ (मध्य प्रदेश) में स्थापित नवोदय विद्यालय के भवन निर्माण हेतु कितनी धनराशि कब संस्वीकृत की गई थी;

(ख) भवन के अभाव में विद्यालय के छात्रों को कहां और कितनी-कितनी संख्या में रखा गया है;

(ग) इस विद्यालय के संचालन की प्रक्रिया में छात्रों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है; और

(घ) इन समस्याओं को दूर करने हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) नवोदय विद्यालय समिति ने रायगढ़ मध्य प्रदेश में जवाहर नवोदय विद्यालय के निर्माण के लिए जून 1994 से मार्च, 1997 के दौरान 287.00 लाख रुपये की राशि स्वीकृति की है।

(ख) राज्य सरकार द्वारा जनजातीय कल्याण विभाग के एक छात्रावास में प्रदान किये गये अस्थायी आवास में छात्रों को ठहराया गया है। इस समय छात्रों की संख्या 186 है।

(ग) और (घ) स्थान की कमी के कारण छात्रों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण एजेंसी से कहा गया है कि स्थायी भवन का निर्माण शीघ्र पूरा करें। अस्थायी आवास में बिजली, पानी तथा सफाई के प्रबंध कर दिये गये हैं। अस्थायी आवास में एक रसोई घर, एक जेनरेटर, अतिरिक्त पनखे तथा एक वाहन प्रदान करके इस समय उपलब्ध सुविधाओं में सुधार कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालयों में आरक्षित रिक्त पद

396. **श्री अजीत जोगी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालयों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के शिक्षकों के लिए आरक्षित रिक्त पदों सहित शिक्षकों के कितने पद रिक्त पड़े हुए हैं;

(ख) इन रिक्तियों को भरने के लिए क्या कार्यवाही की गई है और इस संबंध में नवीनतम स्थिति क्या है; और

(ग) इन रिक्त पदों को भरने में विलम्ब के क्या कारण है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (ग) सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Fall in Domestic Oil Production

397. SHRI O.P. KOHLI:
SHRI MUKESH R. PATEL:
SHRI PREM CHAND GUPTA:
DR. MANMOHAN SINGH:

Will the Minister of PETORLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether the domestic oil production which had reached the level of 35.19 million tonnes in 1995-96 dropped to 32.8 million tonnes in 1996-97 and this drop in oil production has been attributed to frequent power break-downs, increase in water cuts and other factors, as per the Economic Survey; and

(b) if so, the steps taken to remedy these causes in order to boost indigenous oil production?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) The domestic crude oil production during 1996-97 was approximately 32.88 MMT compared to the level of 35.147 MMT achieved during the year 1995-96. The reasons for shortfall in production are:—

—Reduction in anticipated production from the major fields of Mumbai Regional Business Centre especially Bombay High and Neelam, due to unexpected reservoir behaviour not in conformity with earlier predictions.

—Reduced production from joint venture projects.

Constraints in operating conditions on account of law and order problems and insurgency in North-Eastern region.

—Stoppage of work in Nagaland.

—Frequent power shutdown in Western and Eastern region affecting artificial lift operations.

(b) The steps taken to boost the indigenous oil production are:—

—Intensive exploration in known oil/gas producing areas as well as in new areas.

—3-D seismic survey for better understanding of the oil fields.

—Developing the necessary infrastructure to facilitate optimum exploitation of reserves.

—Rectificatory measures for Bombay High and Neelam Oil Fields.

—Adoption of specialised technologies such as ERD, horizontal and drain hole drilling scale removal treatment jobs & long drift side tracking of wells.

—Implementation of new schemes of Oil/gas development.

—Ecouraging the participation of Private/Joint venture in the oil exploration and development.

—Hiring of services of international experts wherever considered necessary.

त्रिपुरा तथा गुजरात में तेल शोधक कारखाने

398. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या त्रिपुरा तथा गुजरात में तेल शोधक कारखानों की स्थापना करने के लिए किन-किन स्थानों पर पता लगाया गया है;

(ख) इन तेल शोधक कारखानों में से प्रत्येक की अधिष्ठापति क्षमता कितनी है और कितने तथा किन-किन तेल शोधक कारखानों को सरकारी और निजी क्षेत्र के संसाधनों से स्थापित किया जायेगा; और

(ग) इन तेल शोधक कारखानों को स्थापित करने के लिए उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) और (ख) सरकार ने गुजरात में रिफाइनरियां स्थापित करने के लिए निम्नांकित तीन निजी कंपनियों को आशय पत्र जारी किए हैं:

(1) मैसर्स रिलायंस पेट्रोलियम लिमिटेड को जामनगर में 15 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता की रिफाइनरी के लिए;

(2) मैसर्स एस्सार आयल लिमिटेड को बाडीनार में 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता की रिफाइनरी के लिए; तथा

(3) मैसर्स इन्टरनेशनल पेट्रोलियम को गुजरात के पश्चिमी तट पर 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता की निर्यातोन्मुखी इकाई रिफाइनरी के लिए।

त्रिपुरा में एक तेल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए किसी स्थान की पहचान नहीं की गई है।

(ग) आशय पत्रों तथा तत्संबंधित समयावधि के विस्तार के अनुसार मैसर्स रिलायंस पेट्रोलियम लिमिटेड तथा मैसर्स एस्सार आयल लिमिटेड द्वारा रिफाइनरियां क्रमशः जून 1998 तथा जनवरी, 1998 तक स्थापित की जानी है। मैसर्स इंटरनेशनल पेट्रोलियम की रिफाइनरी आशय पत्र के मुताबिक अगस्त, 1995 तक स्थापित की जानी थी, लेकिन कंपनी ने समय विस्तार की मांग की है।

Review of the Performance of ONGC

399. SHRI GYAN RANJAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether the Government have recently reviewed the performance of ONGC in terms of set targets for various projects;

(b) if so, the details thereof in terms of standard norms of assessment for major projects;

(c) whether Government have recently worked out new strategies to boost up the performance of ONGC during 1997-98 and if so, the details thereof;

(d) whether it is a fact that outstanding payment over Rupees 2,200/—crore is yet to be recovered by ONGC from oil companies causing liquidity crunch; and